इग्लुक की सील

बर्नार्ड वाइसमैन

इग्लुक की सील

बर्नार्ड वाइसमैन

इग्लुक सो रहा था.

उसके पिता ने उसे हिलाया.

"उठो, मेरे बेटे," उन्होंने कहा.

"आज तुम मेरे साथ शिकार पर चलना."

इग्लुक की मां ने कहा,

"वो अभी केवल छह साल का है."

उसके पिता हंसे.

"मैं अपने पहले शिकार पर उससे भी छोटा था."

इग्लुक की मां ने चर्बी का एक टुकड़ा काटा.

उन्होंने कहा, "यह लो अपना खाना."

वे सभी व्हेल की चर्बी खाते थे.

फिर शिकार करने का समय आ गया.

इग्लुक और उसके पिता ने सील की चमड़ी के जूते, फर कोट और फर के दस्ताने पहने.

इग्लुक के पिता मुस्कुराए.

"मैंने तुम्हारे लिए कुछ बनाया है," उन्होंने कहा.

फिर उन्होंने इग्लुक को एक छोटा सा भाला दिया.

"अब हमें निकलना चाहिए," उसके पिता ने कहा.

और फिर वे रेंगकर अपने इग्लू यानि बर्फ के घर से बाहर निकले.
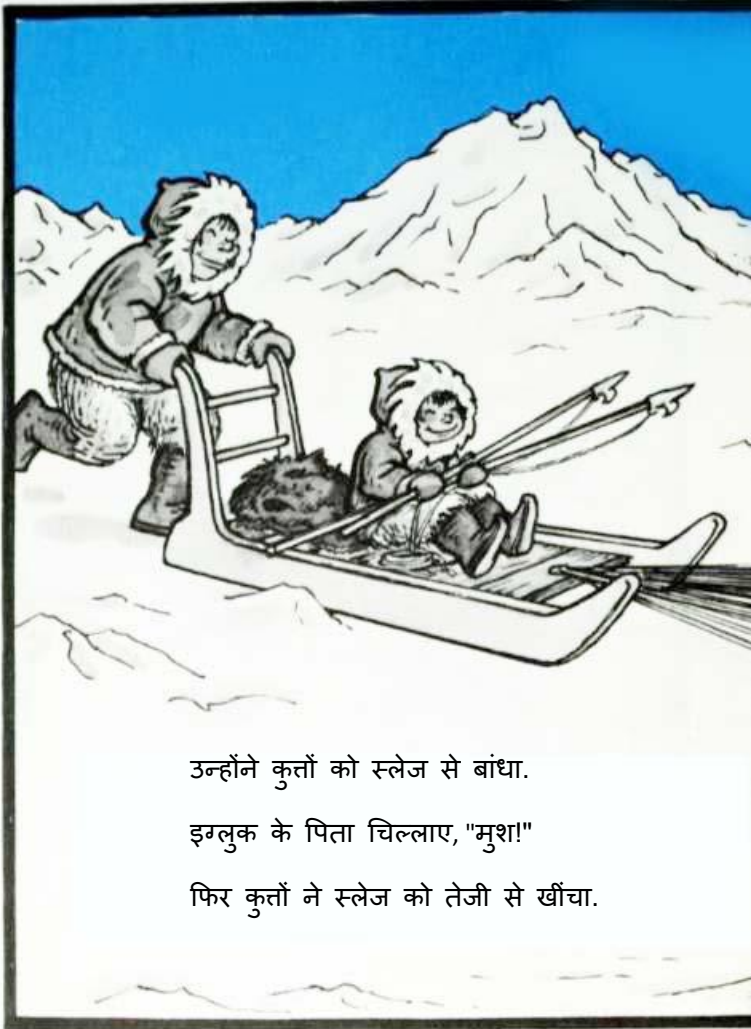
जल्द ही स्लेज बर्फ पर फिसलने लगी.
उन्होंने कुत्तों को स्लेज से बांधा.
इग्लुक के पिता चिल्लाए, "मुश!"
फिर कुत्तों ने स्लेज को तेजी से खींचा.
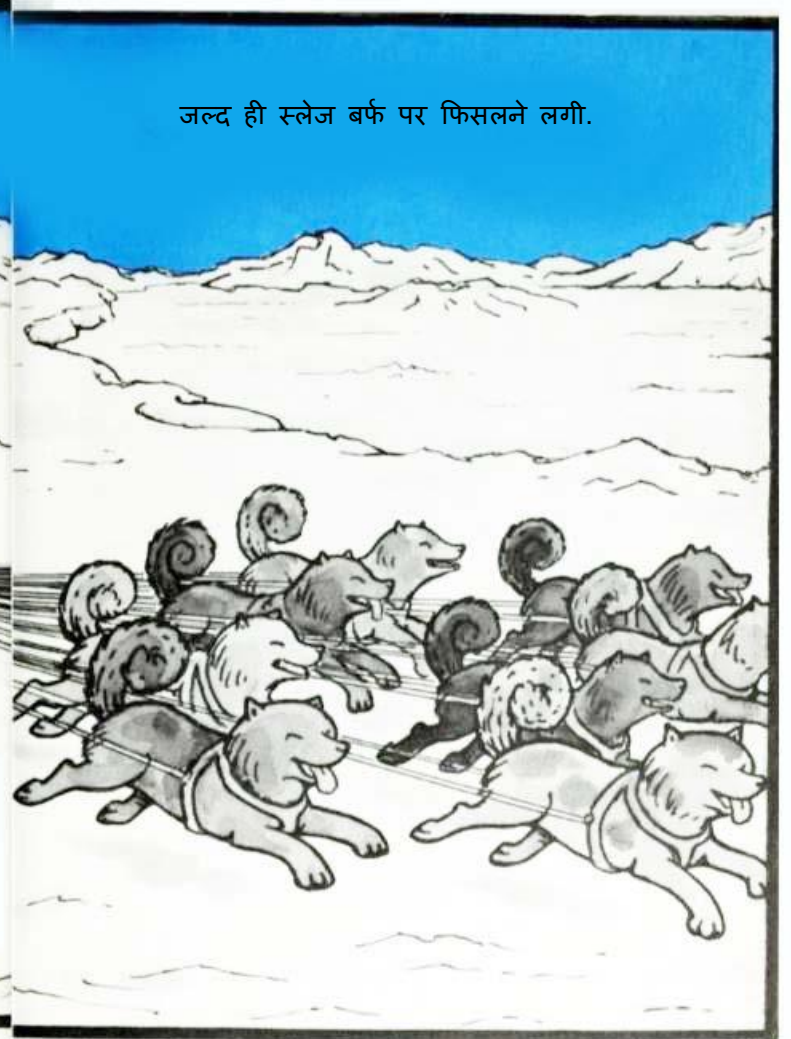
फिर उन्होंने स्लेज छोड़ दी.

इग्लुक के पिता ने कहा,

"अब हम बर्फ पर नहीं चलेंगे.

अब हम बर्फ पर रेंगेंगे.

फिर सीलें हमें भी सील समझेंगी.

ओर वे हमसे डरेंगी नहीं."

वे बर्फ पर रेंगते रहे.

इग्लुक के पिता ने इशारा किया.

"वहां," वो फुसफुसाए, "लगता है कि मुझे एक सील दिख रही है."

सील को बेहतर देखने के लिए

इग्लुक खड़ा हो गया.

सील ने इग्लुक को देखा.

सील ने देखा कि इग्लुक सील नहीं था.

फिर सील बर्फ के एक छेद में कूदकर गायब हो गई.

"मुझे खेद है," इग्लुक ने कहा.

उसके पिता ने कहा,

"कोई बात नहीं, हमें कोई और सील मिलेगी."

फिर उन्हें एक सील नहीं,

उन्हें दो सीलें मिलीं -

एक बड़ी और दूसरी छोटी.

इग्लुक के पिता फुसफुसाए,

"तुम अपना भाला यहां से नहीं फेंक पाओगे.

हम सीलों के करीब रेंगकर जाएंगे."

वे रेंगते हुए सीलों के बहुत करीब गए.

बड़ी सील ने देखा कि वे लोग सील नहीं थे.

वो छोटी सील पर भौंकी.

फिर दोनों सीलें बर्फ के एक छेद में

उछलने लगीं.

"जल्दी!" इग्लुक के पिता चिल्लाए.

"अपना भाला फेंको! बड़ी सील पर!"

इग्लुक ने उछलकर अपना भाला फेंका.

लेकिन बड़ी सील ने छेद में कूद गई.

भाला बर्फ से जाकर टकराया.

छोटी सील अभी भी छेद के पास उछल रही थी.

इग्लुक के पिता तेजी से दौड़े और सबसे पहले वहां पहुंचे.

"अपना हापून उठाओ," उन्होंने इग्लुक से कहा.

अच्छा निशाना लगाओ. वो सील दूर नहीं जा पाएगी."

इग्लुक ने अपना भाला उठाया.

लेकिन, उसने भला फेंका नहीं.

"क्यों?" उसके पिता चिल्लाए.

"तुम किस का इंतजार कर रहे हो?"

इग्लुक ने कहा, "यह सील बहुत छोटी है.

वो सील तो बस एक बच्चा है."

"हम उसे ज़रूर खाएंगे," उसके पिता ने कहा.

और फिर उन्होंने अपना भाला उठाया.

उसके बाद इग्लुक अपने

पिता और शिशु सील के बीच कूद पड़ा.

"नहीं, पिताजी, नहीं," वो चिल्लाया.

"हम केवल बड़ी सीलों को ही खाएंगे."

"मेरी बात सुनो," उसके पिता ने कहा.

"देखो, मां सील चली गई है.

अब बेबी सील अपनी मां दूध नहीं पी सकती है.

और वो मछली खाने के लिए बहुत छोटी है.

वो भूखी मर जाएगी.

या फिर कोई ध्रुवीय भालू उसे आकर खा जाएगा."

"ऐसा नहीं होगा!" इग्लुक चिल्लाया.

फिर उसने बेबी सील उठा ली

और उसे स्लेज तक ले गया.

इग्लुक, बेबी सील को अपने घर ले गया.

उसकी मां ने कहा, "लगता है तुम कुछ लाए हो!"

लगता है तुमने अच्छा शिकार किया है."

इग्लुक ने बर्फ के फर्श पर बेबी सील रख दी.

उसकी मां चिल्लाई, "लेकिन वो अभी भी हिल रही है!"

उसके पिता ने कहा,

"कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वो सील चल रही है.

हमारे बेटे ने उसे अपने भाले से नहीं मारा."

इग्लुक की मां हंसी.

"देखो वो कैसे सूंघती है और कैसी दिखती है.

वो एक छोटे कुत्ते की तरह दिखती है."

"वो कोई छोटा कुत्ता नहीं है," इग्लुक के पिता ने कहा.

"वो एक बेबी सील है.

वो अभी मछली खाने के लिए यह बहुत छोटी है.

हमारे घर में उसके लिए दूध नहीं है.

लगता है वो भूखी मर जाएगी."

इग्लुक ने पूछा,

"क्या वो एक मां कुत्ते का दूध नहीं पी सकती है?"

"देखो, कुत्ता उस बेबी सील को खा जाएगा,"

उसके पिता ने कहा.

इग्लुक की मां ने एक बर्तन में मछली और बर्फ डाली.

फिर उन्होंने कुछ मछली का सूप पकाया.

बेबी सील ने सूप सूंघा.

फिर उसने सारा सूप चाट डाला.

"ठीक है," इग्लुक के पिता ने कहा,

"चलो, बेबी सील भूखी नहीं मरेगी."

परन्तु मेरे बेटे, तुम्हें उसका भोजन अवश्य पकड़ना होगा.

उसका पेट भरने के लिए तुम्हें शिकार करना होगा."

इग्लुक ने सील का सिर थपथपाया.

"वो जो भी खाएगी मैं वो पकड़ने की कोशिश करूंगा.

लेकिन अब मेरी बेबी सील एक नाम की जरूरत है.

मैं उसे सुलक बुलाऊंगा."

अगली सुबह इग्लुक फिर अपने पिता के साथ गया.

उसके पिता ने कहा, "मैं जाकर शिकार करूंगा.

तुम बर्फ में कोई छेद ढूंढो.

उसके लिए तुम इस मछली हुक और लाइन का प्रयोग करो.

जाओ, तुम अपनी सील के लिए मछली पकड़ो."

इग्लुक ने मछली के कांटे पर चर्बी का एक टुकड़ा फंसाया.

उसने उस कांटे को बर्फ के एक छेद में डाला.

उसे थोड़ा खिंचाव महसूस हुआ

उसने तुरंत लाइन ऊपर खींची.

लेकिन कांटे में कोई मछली नहीं फंसी थी.

इग्लुक ने अपना मछली का कांटा फिर से छेद में डाला.

इस बार उसने एक जोरदार खिंचाव का इंतजार किया.

उसने फिर से लाइन ऊपर खींची.

इस बार हुक में एक बड़ी मछली फंसी थी!

इग्लुक ने अपनी बेबी सील के लिए भोजन पकड़ा था.

उस रात सुलक ने एक कटोरा मछली के सूप पिया.

इग्लुक ने कहा, "आप देख रहे हैं, पिताजी?

बेबी सील को जो चाहिए वो मैं पकड़ सकता हूं."

इग्लुक के पिता हंसे. "उसे जल्द ही बहुत अधिक खाना चाहिए होगा."

और सुलक जल्द ही अधिक खाना खाने लगा.

हर रात वह अधिक सूप पीता था.

जल्द ही सुलक ने मछली भी खाना शुरू कर दी.

और हर रात, वो पिछली रात की तुलना में ज्यादा मछली खाता था.

अब इग्लुक को बहुत सारी मछलियां पकड़नी पड़ती थीं.

अब वो दिन भर मछलियां ही पकड़ता रहता था.

लोग इग्लुक पर हंसते थे.

एक बूढ़े आदमी ने उससे कहा, "तुम एक व्हेल पकड़ो!

तब तुम्हारी सील भूखी नहीं रहेगी.”

बच्चों ने इग्लुक को चिढ़ाया. एक लड़के ने कहा,

"इग्लुक पूरे दिन मछली पकड़ता है. जल्द ही उसे
पूरी रात भी मछलियां पकड़नी होंगी."

इग्लुक की मां ने कहा,

"देखो मेरे बेटे, लोग तुम पर हंसते हैं.

बच्चे तुम्हें चिढ़ाते हैं.

और मछली पकड़ने के कारण

तुम्हारे पास खेलने का बिल्कुल समय नहीं बचता है.“

इग्लुक के पिता ने कहा,

"तुम्हें शिकार सीखने का समय भी नहीं मिलता है.

तुम बस दिन भर मछली पकड़ते रहते हो

अपनी बेबी सील के लिए."

एक दिन जब इग्लुक मछली पकड़ रहा था तो उसकी मां ने कहा,

"मेरे बेटे को खेलने का समय मिलना चाहिए.

उसे शिकार करना सीखने का समय भी मिलना चाहिए.

मैं इस सील से छुटकारा पाऊंगी.”
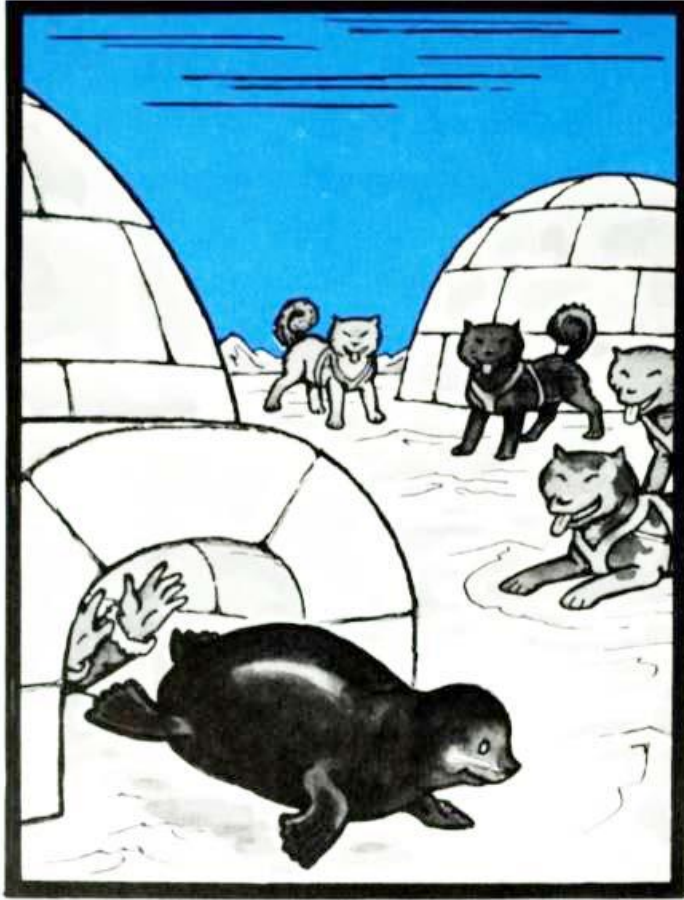
और फिर मां ने सुलक को बर्फ
के घर के बाहर खदेड़ दिया.

फिर उन्होंने भौंकने और गुर्राने की आवाज़ सुनीं.

"अरे नहीं!" वो चिल्लाईं.

"लगता है कुत्ते, सुलक को खाने की कोशिश कर रहे हैं!

मैं नहीं चाहती कि वैसा हो."

वो बाहर दौड़ीं.

और उन्होंने कुत्तों को भगाया.

जब इग्लुक घर पहुंचा तो उसने
देखा कि सुलक लड़ रहा था.

"क्या हुआ?" इग्लुक ने पूछा.

मां ने उसे पूरी बात बताई.

इग्लुक ने कहा, "जब मैं मछली पकड़ने जाऊंगा तो मैं सुलक को भी अपने साथ लेकर जाऊंगा."

"तुम वैसा नहीं कर सकते," उसके पिता ने कहा.

"सुलक अब बहुत बड़ा हो गया है.

सुलक से ही पूरी स्लेज भर जाएगी.

फिर जो कुछ मैं पकड़ूंगा उसके लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी."

इग्लुक ने कहा, "पिताजी कृपया मेरे लिए एक स्लेज बना दीजिए."

उसके पिता ने लकड़ी के टुकड़े इकट्ठे किए.

लकड़ी के टुकड़ों और चमड़े की पट्टियों से उन्होंने एक स्लेज बनाई.

उन्होंने स्लेज खींचने के लिए इग्लुक को चार कुत्ते भी दिए.

अगली सुबह इग्लुक

सुलक को बर्फ पर लेकर गया.

इग्लुक ने कहा, "मैं नहीं चाहता कि तुम भाग जाओ."

फिर उसने सुलक के गले में एक रस्सी बांध दी.
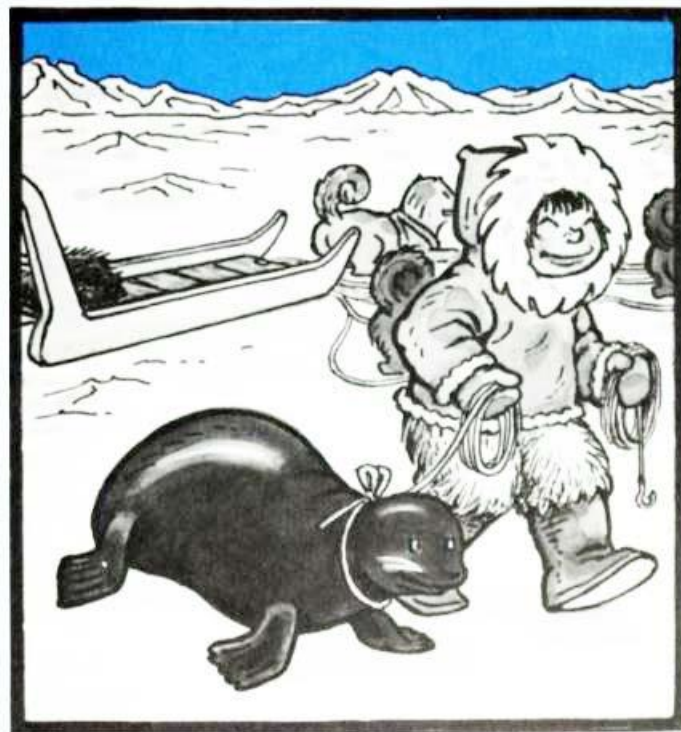
इग्लुक ने एक मछली पकड़ी.

सुलक भौंकने लगा और रस्सी खींचने लगा.

वो बर्फ के छेद में कूदना चाहता था.

इग्लुक ने कहा, "तुम दूर जाना चाहते हो.

और तुम अन्य सीलों के साथ रहना चाहते हो.

मैं चाहता हूं कि तुम खुश रहो.

मैं तुम्हें छोड़ दूंगा."

इग्लुक ने सुलक की गर्दन से बंधी रस्सी खोल दी.

उसके बाद सुलक ने बर्फ के छेद में गोता लगाया.

इग्लुक, स्लेज की ओर चलने लगा.

तभी उसने सील को भौंकते हुए सुना.

इग्लुक ने पीछे देखा. उसने सुलक को देखा.

इग्लुक ने एक बड़ी मछली को बर्फ पर उछलते हुए देखा.

इग्लुक दौड़कर सुलक के पास गया
और उसने उसे गले लगाया.

"अरे वाह!" इग्लुक चिल्लाया.

“अच्छा तो तुम मुझे छोड़कर जाना नहीं चाहते थे.

तुम बस मछली पकड़ना चाहते थे.

तुम एक सील हो.

और सील, मछली पकड़ने में बहुत तेज़ होती हैं!"

सुलक चिल्लाया और उसने फिर से छेद में गोता लगाया.

फिर वो एक के बाद एक मछलियां पकड़ता रहा.

सुलक ने बहुत सारी मछलियां खायीं, लेकिन सभी नहीं.

सुलक ने अपने खाने से कहीं ज़्यादा मछलियां पकड़ीं.

जब जाने का समय हुआ तो बर्फ पर मछलियों का एक बड़ा ढेर लगा हुआ था.

इग्लुक ने मछलियों का ढेर अपनी स्लेज पर लादा.

उसके बाद सुलक के लिए स्लेज पर बैठने की कोई जगह नहीं बची.

इसलिए सुलक को मछलियों के ढेर पर बैठना पड़ा.

जब लोगों ने इतनी सारी मछलियां देखीं तो वे आश्चर्यचकित रह गए.

"इग्लुक," बूढ़े आदमी ने कहा, "तुम एक महान मछुआरे हो!"

इग्लुक ने कहा, "मैंने वो मछलियां नहीं पकड़ीं हैं."

"सुलक, मेरी सील, ने उन्हें पकड़ा है."

उसके बाद इग्लुक ने सभी लोगों को मछलियां बाटीं.

अगली सुबह भी सबके पास खाने को मछलियां बची थीं.

इसलिए इग्लुक के पिता को शिकार पर नहीं जाना पड़ा.

और इग्लुक को भी मछली पकड़ने नहीं जाना पड़ा.

इग्लुक बाहर खेलने गया.

लेकिन बाहर खेलने के लिए कोई बच्चे ही नहीं थे.

बाहर कोई भी नहीं था.

"पिताजी," इग्लुक चिल्लाया,

"सब लोग कहां गए हैं?"

इग्लुक के पिता हंसे.

"वे बर्फ पर गए हैं.

वे सील के बच्चों को ढूंढने गए हैं.

वे सभी तुम्हारी जैसी सील चाहते हैं!"

अंत